सं० श्रो॰वि॰ कुरुक्षेत्र / 22-86 / 48498 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० (1) परिवहन श्रायुक्त, हरियाणा चण्डीगढ़, (2) जनरल मैनेजर, हरियाणा रोडवेज, कैथल के श्रमिक श्री उमेद सिंह डाईवर नं० 98, पुत श्री मान सिंह गांव व डा॰ सिंघाना, तह॰ सफीटों (जीन्द) तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है :

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रज, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्वाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

वया श्री उमेद सिंह डाईवर नं० 98, पुत्र श्री मान सिंह की सेवाफों का समापन न्यायोचित वथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संव आविव /एफ. बी./173-86/48507. चूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंव (1) अटलांटिक इन्जिनियरिंग सिंवस आविल, 19 कि. मि मथुरा रोड, डाव अमर नगर, फरीदाबाद, (2) श्री एस. सी. मित्तल, आफिसियल लिक्वडेटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड बिल्डिंग, 19 रिंग रोड, आई. पी. इस्टेट, नई दिल्ली के श्रीमिक श्री हीजेन्द्रा लाल डेव मार्फत श्री क्याम सुन्दर गु'ता, 50, नीलम चौंक फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई औदोगिक विवाद है;

श्रीर चूकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक व्विद, अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद, का नोचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिकों के बोच या तो विनादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसगत या सबिधत मामला है न्यायनिर्णय एव पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री द्वीजेन्द्रा लाल डेव की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?

स० म्रो॰वि॰/एफ.डी./185-86/48515.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ (1) म्रटलांटिक इन्जिनियरिंग सिवस, प्रा॰ लि॰, 19 कि॰मि॰, माशुरा रोड, फरीदाबाद, (2) श्री एस.सी. मित्तल, म्राफिसियल लिक्वडेंटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड बिल्डिंग, 19, रिंग रोड म्राई.पी. इस्टेंट, नई दिल्ली के श्रमिक श्री पानन मार्फत श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, 50, नीलम चौक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री पानन की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं स्रो. वि. /एफ०डी०/183-86/48523. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० (1) अटलाटिक इंग्जिनियरिंग सिवस प्रा० लि०, 19, कि.मि. मथुरा रोड, डा० प्रमर नगर, फरीदाबाद, (2) श्री एस.सी. मित्तल, आफिसियल लिक्वडेटर एण्ड गाईड बिल्डिंग, 19, रिंग रोड, आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली के श्रमिक श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा माफेंत, श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, 50, नीलम चौक, फरीद।बाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हेत्, निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवान की गई, शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 क के श्रधीन गठित श्रौद्धोगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरोदावाद, को नीचे विनिद्धि मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्याय निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

वया श्री राजिन्द्र कूमार शर्मा की सेवाफ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?